



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 आश्विन 1942 (श10)

(सं० पटना 782) पटना मंगलवार 6 अक्टूबर 2020

सं० 03/NGRBA-03-01/2013-1698/न0वि0 एवं आ0वि0,  
नगर विकास एवं आवास विभाग

संकल्प

21 सितम्बर 2020

**विषय:** भारत सरकार द्वारा नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत पटना शहर में **River Front Development** योजना कार्य को पूर्ण करने हेतु पुनरीक्षित परियोजना लागत सेंटेंज सहित रु० 37401.29 लाख (तीन अरब चौहत्तर करोड़ एक लाख उन्नतीस हजार रु० मात्र) में से केन्द्रांश के रूप में रु० 21560.00 लाख (दो अरब पन्द्रह करोड़ साठ लाख रु० मात्र) की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति तथा इस योजना में राज्यांश की 30% हिस्सेदारी, इसके अतिरिक्त कार्य में वर्द्धित राशि तथा सेंटेंज की राशि सहित कुल-रु० 15841.29 लाख (एक अरब अठावन करोड़ एकतालीस लाख उन्नतीस हजार रु० मात्र) का व्यय राज्यांश के रूप में किये जाने की स्वीकृति।

पटना बिहार राज्य की राजधानी है। यह पूर्वी भारत का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यह शहर काफी तेजी से विकास कर रहा है। पटना शहर पवित्र गंगा नदी के उत्तरी तट पर अवस्थित है। गंगा नदी शहर के उत्तरी भाग के पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर बहती है। बिहार में छठ जैसे अतिमहत्वपूर्ण पर्व के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा नदी घाट पर भगवान सूर्य की पूजा करने आते हैं। नदी के तट पर पुराने घाटों के जर्जर रहने के कारण पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को काफी कठिनाई होती है। साथ ही, अन्य दिनों में भी नागरिकों को गंगा नदी के दर्शन एवं स्नान करने में काफी कठिनाई होती है। इन समस्याओं को दूर करने तथा गंगा नदी को गंदगी एवं प्रदूषण से बचाते हुए घाटों को साफ-सुथरा रखने के उद्देश्य से सरकार द्वारा पटना शहर में अवस्थित तट पर नदी के दक्षिण घाटों के साथ अन्य स्थानों को अत्याधुनिक तरीके से सुसज्जित तथा सुविधाजनक बनाया जाना है। यह योजना पटना शहर में गंगा नदी के कलेक्टरेियट घाट से नौजर घाट तक के 20 घाटों को विकसित करने से संबंधित है। घाटों को Promenade के माध्यम से एक दूसरे से जोड़ना है। इसके अतिरिक्त सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक केन्द्र, पार्क एवं घाटों का विकास किया जाना है।

NGRBA (National Ganga River Basin Authority) योजना के अधीन पटना शहर में River Front Development योजना के कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अन्तर्गत National Mission for Clean Ganga (NMCG) की Empowered Steering Committee द्वारा दिनांक

20.11.12 एवं मंत्रालय के पत्र संख्या-T-03/2012-13/0162/NMCG-RFD Patna दिनांक 19.06.2013 के द्वारा योजना की प्रशासनिक एवं रुपये 24327.00 लाख (दो अरब तैतालीस करोड़ सताईस लाख रुपये) व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई थी।

उक्त परियोजना का **Major Component** निम्नवत् है:-

Sl. No.	Major Head	Quantity
1	Development of Ghats	20 Nos.
2	Development of Promenades (6.6 KM)	5Precinct
3	Community Cum Cultural Centers	5 Nos.
4	Landscape work at Precinct Zones	4 Precinct
5	City Level Parks	2 Nos.
6	Crematorium Building	1 No.

विभागीय पत्रांक-SPUR-PMU/028/NGRBA/2010-11/67, दिनांक 09.07.2010 के द्वारा River Front Development at Patna के कार्यान्वयन की जिम्मेवारी बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) को प्रदान की गयी है।

River Front Development at Patna योजना पर पूर्व में सम्भावित कुल लागत रुपये 24327.00 लाख + 8% सेन्टेज रुपये 1946.00 लाख अर्थात् कुल रुपये 26273.00 लाख के व्यय की मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी थी। इस परियोजना के व्यय में केन्द्रांश एवं राज्यांश का अनुपात क्रमशः 70:30 है। योजना दो वर्षों में पूर्ण किये जाने का लक्ष्य था। इसके सापेक्ष कार्यक्रम निम्न रूपेण प्रस्तावित था:-

(राशि लाख में)

क्र०सं०	वित्तीय वर्ष	व्यय (प्रतिशत में)	केन्द्रांश	राज्यांश	केन्द्रांश/राज्यांश की कुल राशि	सेन्टेज की राशि	वित्तीय वर्ष में कुल व्यय (स्तंभ 6+7)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2012-13	10%	1702.89	729.81	2432.70	194.60	2627.30
2	2013-14	50%	8514.45	3649.05	12163.50	973.00	13136.50
3	2014-15	40%	6811.56	2919.24	9730.80	778.40	10509.20
कुल-		100%	17028.90	7298.10	24327.00	1946.00	26273.00

River Front Development at Patna योजना कार्यान्वयन के दौरान कुछ अवयवों में वृद्धि होने के कारण पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार किये जाने की आवश्यकता पड़ी, यथा:-रौशन घाट से पथरी घाट के बीच स्थित विरासत संरचनाओं के संरक्षण हेतु प्रोमिनाड के Alignment में बदलाव के कारण गंगा नदी के जल अधिग्रहण क्षेत्र में Waterways Promenade का निर्माण सुनिश्चित किया गया। इस हेतु NMCG से प्राप्त निदेश के आलोक में Waterways Promenade के Design एवं Drawing को IIT, Patna से Vetting कराते हुए निर्माण कार्य, गुलबी घाट में शवदाहगृह के कारण elevated promenade का निर्माण कार्य, ईको सेन्टर भवन, कम्यूनिटी सेन्टर भवन के स्थलीय बदलाव के कारण Design एवं Drawing को IIT, Patna से Vetting के उपरान्त निर्माण कार्य, कृष्णा घाट से गाँधी घाट तक क्षतिग्रस्त 'पटना सुरक्षा दिवाल' (PTP Wall) के जीर्णोद्धार हेतु RCC Retaining Wall का निर्माण कार्य कराया जाना है।

योजना कार्यान्वयन अन्तर्गत कुल 20 घाटों में से 16 घाटों का कार्य पूरा कर लिया गया है, शेष 4 घाटों का निर्माण किया जाना है। प्रोमिनाड 6.6 कि०मी० में से 5.5 कि०मी० पूर्ण कर लिया गया है, वाटरवेज प्रोमिनाड का फिनिशिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है। गुलबी घाट में क्रिमिटोरिया एवं एलिभेटेड प्रोमिनाड का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। ए०मी०टी०, ईको सेन्टर एवं कम्यूनिटी-कम-कल्चरल सेंटर का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कलेक्ट्रेट घाट से राजा घाट तक नाला निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। लैंडस्केपींग, लाईटिंग/हाई मास्ट लाईट का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। घाटों का शौचालय का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही इस परियोजना के रख-रखाव एवं संचालन हेतु इसका हस्तांतरण पटना नगर निगम को किया जा चुका है।

River Front Development at Patna योजना कार्यान्वयन हेतु Ministry of WR, RD & GR, Govt. Of India के अन्तर्गत National Mission for Clean Ganga (NMCG), के द्वारा दिनांक 26.02.2019 को Empowered Steering Committee की 19 वीं बैठक में एवं मंत्रालय के पत्र संख्या-T-03/2012-13/0162/NMCG-RFD Patna दिनांक-26.02.2019 के द्वारा योजना की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति एवं रुपये 33673.00 लाख (तीन अरब छत्तीस करोड़ तिहत्तर लाख रुपये) व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई। इस योजना का शेष कार्य माह मार्च 2021 तक पूरा कर लिया जाना संभावित है।

2. राजधानी पटना से गंगा नदी लगभग 99 कि०मी० की लम्बाई में गुजरती है। गंगा नदी को गंदगी एवं प्रदूषण से बचाते हुए घाटों को साफ-सुथरा रखना योजना का मुख्य उद्देश्य है। गंगा नदी के किनारे छठ जैसे अतिमहत्वपूर्ण पर्व के दौरान श्रद्धालु गंगा नदी घाट पर भगवान सूर्य की पूजा करने आते हैं। नदी के तट पर पुराने घाटों के जर्जर रहने के कारण पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को काफी कठिनाई होती है। साथ ही, अन्य दिनों में भी नागरिकों को गंगा नदी के दर्शन एवं स्नान करने में भी काफी कठिनाई होती है। इन समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा पटना शहर में अवस्थित गंगा तट पर नदी के दक्षिण घाटों के साथ अन्य स्थानों को अत्याधुनिक तरीके से सुसज्जित तथा सुविधाजनक बनाया जाना है।

**NMCG** भारत सरकार द्वारा इस योजना के लिए पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति राशि ₹ 33673.00 लाख रुपये (तीन अरब छत्तीस करोड़ तिहत्तर लाख ₹ मात्र) पर दी गयी है। सेन्टेज की कुल राशि रुपये 1946.00 लाख (उन्नीस करोड़ छियालीस लाख रुपये मात्र) एवं अन्य अवयवों के मद में हुए विचलन राशि रुपये 1782.29 (सतरह करोड़ बेरासी लाख उन्तीस हजार रुपये मात्र) सहित योजना पर कुल राशि 3728.29 लाख (सैंतीस करोड़ अठाईस लाख उन्तीस हजार ₹ मात्र) की व्यय संभावित है।

इस योजना के अनुमोदित परिमाण विपत्र एवं एकरारनामानुसार कार्यान्वयन के दौरान अन्य अतिरिक्त कार्य एवं मात्रा विचलन को Part -(A) में एवं सेन्टेज, अतिरिक्त अन्य अवयवों तथा Part -(B) में अतिरिक्त नवीन कार्य के मद में अवयववार संभावित व्यय निम्नवत् है:-

#### Part -(A)

(Amount in Lakhs)

Sl. No.	Component	Estimate as per revised AA&ES	Actual Cost	Variation (Difference)	Remarks
1	Resettlement & Rehabilitation and Social Impact Assessment cost	317.63	453.00	135.37	Approved RFP/Bid Document from NMCG and Rev. AA&ES/ As per agreement
2	Estimate of Project preparation and Supervision except Centage (i) CSQC-Rs.952.00 Lakhs (ii) DPR- Rs.32.00 Lakhs (iii) Misc. Supervision-Rs14.00 Lakhs (iv) Electrical charges-Rs.86.00 Lakhs	1764.08	1084.00	- 680.08	
3	Price Escalation	-	1740.00	1740.00	
4	GST w.r.t to BOQ (Rs.316+155 Lakhs)	-	471.00	471.00	
5	Dolphin research (Patna University)	-	50.00	50.00	Approved RFP/Bid Document from NMCG/ As per agreement
6	Safety Assessment (IIT Delhi) + IIT Patna Design/Drawing Vetting	-	66.00	66.00	
<b>Sub Total</b>		<b>2081.71</b>	<b>3864.00</b>	<b>1782.29</b>	
Centage on approved Original Estimate			1946.00	1946.00	
<b>Total</b>			<b>5810.00</b>	<b>3728.29</b>	

## Part –(B)

राशि-करोड़ में।

Integrated statement												
Sl. No	Name Of the Project	Capa city	DPR with Year	Estimated/San ctioned amount as Per AA&ES in (Cr)		Revision-1 (Tender Value Cost in Cr)		Revision-2 (Actual Cost in Cr)		Balance amount to be Shared by GOB		Go B Share
				GOI (70%)	GOB (30%)	GOI (70%)	GOB (30%)	GOI (70%)	Balance amount to be Shared by GOB	Centage	Cost of Variation as per approved RFD by NMCG, GoI (A+B)	
1	River Front Develop ment at Patna	20 Nos of Ghats	DPR 19 <sup>th</sup> June 2013 Effectiv e Rate SOR20 12	170.289	72.981	170.29	101.11	215.60	121.13	19.46	17.8229	158.4129
Total				243.27		272.00		336.73		19.46	17.8229	
Total GOB & GOI Share				170.289	72.981	170.29	101.11	215.60	121.13	37.2829		

## 3. पूर्ण किये गये कार्यों का विवरण:-

- 20 घाट में 6.60 किलोमीटर प्रोमीनाड (पैदल मार्ग) में से 16 घाट सहित कुल 5.50 किलोमीटर प्रोमीनाड (पैदल मार्ग) का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
- तीन भवनो यथा:-Eco-Centre Building (G+2), Audio Visual Theater Building (G+1) & Community Cum Cultural Centre Building (G+1) का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
- गुलबी घाट में Double furnace Electrical Crematorium का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
- कलेक्टोरियट घाट से अंटा घाट, बी0एन0 कॉलेज घाट से महेन्द्रू घाट, मिश्री घाट, बरहरवा घाट से लॉ कॉलेज घाट, गुलबी घाट से घाघा घाट एवं आलमगंज घाट से राजा घाट तक कुल 07 अदद् Food Kiosk का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
- अंटा घाट, मिश्री घाट, गौंधी घाट, बरहरवा घाट से घाघा घाट तक कुल 05 अदद् Life Guard Kiosk का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
- लैंडस्केपींग, लाईटिंग/हाई मास्ट लाईट का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। महेन्द्रू घाट, बरहरवा घाट, गुलबी घाट (02 अदद्) एवं राजा घाट में कुल मिलाकर 05 अदद् Unitized Sub Station (USS) का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है।
- घाटों पर 11 अदद् शौचालयों का निर्माण तथा 14 अदद् नलकूपों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

## शेष बचे हुए कार्यों का विवरण:-

- तीन घाट यथा:- भद्र घाट, महावीर घाट एवं नौजर घाट का निर्माण कार्य।
- एक अदद् शौचालय, एक अदद् नलकूप, एक अदद् Food Kiosk एवं एक अदद् Life Guard Kiosk का निर्माण।
- 20 अदद् स्ट्रीट लाईट, 06 अदद् हाई मास्ट लाईट एवं एक अदद् Unitized Sub Station (USS)के लगाये जाने का कार्य।  
उपर्युक्त शेष बचे हुए कार्य को माह मार्च, 2021 तक पूरा किये जाने लक्ष्य निर्धारित है।
- इस योजना में NMCG- Namami Gange Programme के अंतर्गत भारत सरकार एवं राज्य सरकार के 70:30 अनुपात में वित्तीय हिस्सेदारी को वहन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त पुनरीक्षित स्वीकृत प्राक्कलन के अन्तर राशि पर सेन्टेज की गणना बिहार सरकार, वित्त विभाग की अधिसूचना संख्या- एम-4-26/2013/653/वि० पटना, दिनांक-25.01.2016 के आधार पर करते हुए पूर्व में स्वीकृत सेन्टेज की राशि रुपये 1946.00 लाख(उन्नीस करोड़ छियालिस लाख रुपये मात्र) एवं इसके



अतिरिक्त योजना कार्यान्वयन के दौरान अन्य अवयवों के मद की कुल राशि ₹0 17.8229 (सतरह करोड़ बेयासी लाख उन्तीस हजार रुपये मात्र) का वहन बिहार सरकार द्वारा किया जाना है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है:-

क्र० सं०	वित्तीय वर्ष	राज्यांश राशि (30%) (करोड़ रुपये)	राज्यांश सेन्टेज राशि (Including previous sanction value of Centage & Cost of variation)	वित्तीय वर्ष में कुल राशि (करोड़ में)
1	2	3	4	5
1	2020-2021	121.13	37.2829	158.4129
	कुल राशि	121.13	37.2829	158.4129

- योजना का क्रियान्वयन पूर्ण होने पर संबंधित क्षेत्र में गंगा नदी को गंदगी एवं प्रदूषण से मुक्त रखते हुए घाटों को साफ-सुथरा रखा जा सकेगा, छठ पर्व के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को सहूलियत होगी तथा गंगा नदी के किनारे सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक केन्द्र, पार्क एवं घाटों का विकास किये जाने से नगरवासियों को स्वस्थ वातावरण एवं उच्च स्तरीय सुविधाएँ प्राप्त होंगी।
- River Front Development at Patna** योजना पूर्व में अप्रैल 2014 में प्रारंभ हुयी थी। कार्य समाप्त करने हेतु संवेदक को 2 वर्ष का समय अप्रैल 2016 तक दिया गया था। संवेदक द्वारा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गत कुल 20 घाटों में से 16 घाटों का कार्य पूरा कर लिया गया है, शेष 4 घाटों का निर्माण किया जाना है। प्रोमिनाड 6.6 कि०मी० में से 5.5 कि०मी० पूर्ण कर लिया गया है, वाटरवेज प्रोमिनाड का फिनिशिंग कार्य किया जा रहा है। गुलबी घाट में क्रिमिटोरिया एवं एलिभेटेड प्रोमिनाड का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। ए०भी०टी०, ईको सेन्टर एवं कम्यूनिटी-कम-क्लवरल सेंटर का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कलेक्ट्रेट घाट से राजा घाट तक आई० एण्ड डी० नाला निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। लैंडस्केपींग कार्य किया जा रहा है। योजना अन्तर्गत आवश्यकतानुसार मात्राओं की वृद्धि के कारण योजना कार्यान्वयन के दौरान अतिरिक्त व्यय हुआ है। अतः योजना पूर्ण किये जाने हेतु पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार किया गया है, जिसपर NMCG द्वारा 70:30 के वित्तीय हिस्सेदारी पर कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस योजना में अबतक रुपये 28370.00 लाख का व्यय किया जा चुका है। गंगा एक्सप्रेसवे का एलाइनमेंट गंगा नदी तट विकास परियोजना से मिलने के कारण तत्काल 4 घाटों का निर्माण रोक दिया गया था तथा कुछ जगहों पर स्थल परिवर्तन होने के फलस्वरूप एन०एम०सी०जी०, नई दिल्ली से प्राप्त निदेश के आलोक में संरचनाओं के डिजाईन/ड्राइंग को संशोधित करते हुए इसका पुनरीक्षित AA & ES एन०एम०सी०जी० द्वारा पुनः प्राप्त करना पड़ा। योजना का कार्य दिनांक 31.03.2021 तक पूर्ण होने की संभावना है।
- उक्त प्रस्ताव पर दिनांक 18.09.2020 को सम्पन्न राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक के मद संख्या-7 के रूप में स्वीकृति प्राप्त है।
- अतः भारत सरकार द्वारा नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत पटना शहर में **River Front Development** योजना कार्य को पूर्ण करने हेतु पुनरीक्षित परियोजना लागत सेंटेंज सहित ₹0 37401.29 लाख (तीन अरब चौहत्तर करोड़ एक लाख उन्तीस हजार ₹0 मात्र) में से केन्द्रांश के रूप में ₹0 21560.00 लाख (दो अरब पन्द्रह करोड़ साठ लाख ₹0 मात्र) की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति तथा इस योजना में राज्यांश की 30% हिस्सेदारी, इसके अतिरिक्त कार्य में वर्द्धित राशि तथा सेंटेंज की राशि सहित कुल-₹0 15841.29 लाख (एक अरब अंठावन करोड़ एकतालीस लाख उन्तीस हजार ₹0 मात्र) का व्यय राज्यांश के रूप में किये जाने की स्वीकृति पर सरकार की सहमति संसूचित की जाती है।

**आदेश :-** आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय एवं इसकी प्रति सरकार के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों/प्रमण्डलीय आयुक्तों/जिला पदाधिकारियों/संबंधित नगर निकायों/महालेखाकार, बिहार, पटना को सूचनार्थ भेजी जाय।

आदेश से,  
संजय दयाल,  
सरकार के विशेष सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 782-571+200-डी०टी०पी०।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>